www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा के...
3 गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल...
4 भारत विकास परिषद, कर्ण शाखा द्वारा सेवा...

वर्षः 9 | अंकः 234 | दिल्ली, बुधवार, 18 जून 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति 2025' का आयोजन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। 90 कर्मियों वाली भारतीय सेना की एक टुकड़ी भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के 8वें संस्करण में भाग लेने के लिए फ्रांस के लिए रवाना हुई। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के सदस्य, 18 जून से 1 जुलाई तक फ्रांस के ला कैवेलरी के कैंप लारजैक में होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। इस बीच, 90 कर्मियों वाली फ्रांसीसी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 13वीं विदेशी लीजन हाफ-ब्रिगेड (13वीं डीबीएलई) द्वारा किया जाएगा। अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है। विज्ञप्ति के अनुसार, अभ्यास भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर प्रकाश डालेगा।

योगी आदित्यनाथ ने 1,184 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

अंबेडकर नगर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के समय इन नौकरियों की नीलामी की जाती थी। अंबेडकर नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार के समय 2017 से पहले यहां सरकारी नौकरियों की नीलामी की जाती थी। इस काम में एक परिवार की बड़ी भूमिका थी। पूरा प्रदेश इस नाटक को देख रहा था। लेकिन अब योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने 1,184 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने अमित शाह से की मुलाकात

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राष्ट्रीय राजधानी के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। गुप्ता ने कहा कि शाह के साथ चर्चा सौहार्दपूर्ण, रचनात्मक और बेहद सार्थक रही। आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में दिल्ली के विकास और जन कल्याण से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राष्ट्रसेवा, संगठन और सुशासन के प्रति उनका दृष्टिकोण और नेतृत्व हम सभी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। दिल्ली के जनहित से जुड़े विषयों पर उनसे हुई चर्चा अत्यंत विचारोत्तेजक, मार्गदर्शक और आत्मीय रही। उनके अमूल्य समय और स्नेह के लिए हृदयपूर्वक आभार। गुप्ता ने भाजपा नीत केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी साख मजबूत की है और आंतरिक सुरक्षा, सहकारिता आंदोलन तथा गरीबों के उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे अति संवेदनशील महानगर के लिए केंद्र सरकार का अनुभव, मार्गदर्शन और नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले सीएम धामी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री से रानीखेत व लैंसडौन कैंट क्षेत्र को नगर पालिका में मिलाने का अनुरोध किया, जिससे इन क्षेत्रों में पर्यटन व जन सुविधाओं के समग्र विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने धारचूला व जोशीमठ के सैन्य हेलीपैडों को आरसीएस हवाई सेवा के अंतर्गत उपयोग करने की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में आपदा व राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के लिए देय शुल्क को माफ करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री से ग्वालदम से नंदकेसरी होते हुए थराली देवाल-मुंदोली-वाण मोटर मार्ग के रखरखाव व अनुरक्षण का कार्य भविष्य में भी लोक निर्माण विभाग से कराए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह सड़क राज्य की महत्वपूर्ण नंदा देवी राज जात यात्रा का मुख्य मार्ग है। यह प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण यात्रा है, जो वर्ष 2026 के लिए प्रस्तावित है। यह यात्रा राज्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है।

समाज कल्याण मंत्री ने बवाना में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया

सेवा की भावना से मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएंः रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती/संजय कुमार
नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को बवाना के सी ब्लॉक, जे जे कॉलोनी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दिल्ली वासियों को घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा, साथ ही यहाँ का स्टाफ मरीजों का इलाज, सेवा की भावना से करेगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों को जनसहयोग से सरकार उत्कृष्ट स्वास्थ्य केंद्र बनाएगी।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली संकल्प की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सस्ती दवाओं के लिए 17 नए जनऔषधि केंद्र का शुभारम्भ किया है।

दिल्ली में स्वास्थ्य क्रांति दिवस के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के शुरूआती 100 दिनों में ही 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर तैयार हो गए हैं, दिल्ली वासियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 1139 आरोग्य मंदिर का उपहार देने की योजना है। श्री इंद्राज ने कहा कि पहली कैबिनेट मीटिंग में ही दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लागू कर दिल्ली वासियों को 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज देने का प्रावधान किया। आयुष्मान वय वंदना योजना लागू कर 70 वर्ष से अधिक हर बुजुर्ग को भी 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज देने का प्रावधान किया गया है।

सीएम सैनी ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश

■ अपराध के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर विशेष जोर

एसबी संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और आबकारी नीलामी की प्रगति की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अपराधियों के खिलाफ 'हाई ऑक्टेन अभियान' चलाने और हरियाणा में पुलिस की प्रभावी व उत्तरदायी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुरुक्षेत्र में एक आबकारी लाइसेंसधारी की हत्या की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों को धमकी या फिरौती संबंधी कॉल मिल रही हैं, उन्हें त्वरित सुरक्षा प्रदान की जाए। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी कर उसे इमरजेंसी सेवा 112 से लिंक करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आबकारी नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और राज्य को मिलने वाले राजस्व को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आबकारी नीलामी में, अब तक विभाग 934 आबकारी जोन की नीलामी के साथ अधिकांश आबकारी जोन की नीलामी करने में सक्षम रहा है और पिछले वर्ष के 5037 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 11,054 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलामी के दौरान अब तक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस बल को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि धरातल पर पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए जिससे जनता सुरक्षित महसूस करे और गलत काम करने वालों व असामाजिक तत्वों के बीच कानून का डर पैदा हो, जिससे नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गंभीर मामलों की नियमित और सख्त निगरानी उच्चतम स्तर पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्टेट टास्क फोर्स (एसटीएफ) को और अधिक मैनपावर और संसाधन प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और कोई भी गैंगस्टर या अपराधी कानून से बच न सके।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ और पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में एक साथ 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की शुरूआत

मनजिंदर सिंह सिरसा ने चौखंडी, राजौरी गार्डन में किया आयुष्मान आरोग्य केंद्र का उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का एक साथ उद्घाटन किया। पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चौखंडी, राजौरी गार्डन में आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया और इसे जनता के लिए समर्पित किया।

मंत्री ने कहा कि नई सरकार के केवल 100 दिनों में 33 केंद्र खोलना एक बड़ी उपलब्धि है। हर दिल्लीवासी को इन केंद्रों का दौरा करना चाहिए और देखना चाहिए कि यहां किस तरह की विश्वस्तरीय सुविधाएं, अच्छी दवाइयां और अनुभवी डॉक्टर मौजूद हैं। ये आयुष्मान केंद्र किसी निजी अस्पताल से कम नहीं हैं।

पिछली सरकार की योजनाओं की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे आरोग्य मंदिर पिछली सरकार के कंटेनर क्लीनिक जैसे नहीं हैं। यही फर्क है हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का कि हम सोच, योजना और नतीजों, तीनों मे उनसे अलग हैं। आने वाले समय में सैकड़ों ऐसे आयुष्मान केंद्र खोले जाएंगे जो दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार विकसित दिल्ली के सपने को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है।

सरकार ने आने वाले महीनों में सैकड़ों और आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने की योजना बनाई है ताकि हर नागरिक को घर के पास और बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ठेकेदार ने भरा खड्डा

खबर का असर

नागरिकों, दूकानदारों ने सरकार, प्रशासन व दैनिक संजना भारती समाचार पत्र का किया धन्यवाद

विभाग ठेकेदार द्वारा भरा गया खड्डा। (छायाः एसबी)

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र का धन्यवाद करते प्रधान भीम सिंह राणा व मार्केट यूनियन सदस्य। (छायाः एसबी)

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के ठेकेदार द्वारा खोदा गया गड्ढा बना परेशानी

■ खड्ढा खोदते समय केबल तार कट गई है, तार रिपेयर होने के बाद खड्डे को भरा जाएगाः जेई हरि सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। राजौंद में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ठेकेदार द्वारा सिवरेज पाइपलाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान राजौंद के मेन बाजार, वार्ड 11, टी प्वाइंट पर मेन रोड के सिवरेज दबाने के बाद बने इस बीस फिट लम्बे व बारह फिट गहरे खडे को पिछले एक सप्ताह से खुला छोड़ रखा है। इस खड्डे से बड़ा हादसा हो सकता है। ठेकेदार द्वारा बैरिकेड भी नहीं लगाई गई है। खड्डे को इंडिकेट नहीं किया गया है। दुकानों के आगे बना हुआ यह गहरा गड्ढा दोपहिया वाहन चालकों, पैदल यात्रियों के लिए जान माल के भारी नुकसान का कारण बन सकता है। मिट्टी के लगे हुए अंबर ने दुकानदारों, नागरिकों, वाहन चालकों का जीवन दुश्वार कर दिया है। दुकानदारों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा। जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समस्या के बारे में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जय हरि सिंह से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि बकोल ठेकेदार इस खड्डे में केबल की तार कट गई थी जिसे रिपेयर कर खड्डे को भरा जाएगा।

गौरतलब है कि मेन बाजार राजौंद के टी-प्वाइंट पर काम पूरा होने के एक सप्ताह के बाद भी केबल तार रिपेयर नहीं हो पाई और न खड्डे को भरा जा सका। नगर में चर्चा है कि इस खड्डे में गिर कर कोई घायल होता है या किसी को जान-माल का नुकसान होता है तो जिम्मेदार कौन होगा। नागरिकों ने विभाग से अनुरोध किया है की केबल तार को रिपेयर कर इस खड्डे को यथाशीघ्र भरा जाए। ताकि किसी को जानी माली नुकसान ना हो। जनहित में विभाग को इस काम को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए।

13 जून को दैनिक संजना भारती समाचार पत्र में छपी खबर।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। राजौंद के मेन बाजार के टी-पॉइंट पर ठेकेदार व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सिवरेज दबाते समय एक सप्ताह पहले बनाया गया खड्ड़ा नागरिकों, दुकानदारों, राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था। खड्ढा भरने के लिए मार्केट यूनियन बाला जी मार्केट सेवा समिति राजौंद प्रधान भीम सिंह राणा व पदाधिकारियों, सदस्यों मोहन शर्मा, नवीन कुमार, राहुल छाबड़ा, सुरेश मित्तल, सतपाल शर्मा, अमन शर्मा, रामनिवास, बृजपाल, नवाब सिंह, गगन वर्मा, दिलबाग ढुल, हितेश गुम्बर ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से बार बार अनुरोध किया था कि मुख्य बाजार की गली के सामने सिवरेज पाइपलाइन दबाते समय एक सप्ताह पहले खोदा गया गड्ढा भरा जाए। विभाग सिवरेज पाइपलाइन एक सप्ताह पहले पाइप लाइन दबा चुका है।

जनहित की इस समस्या को दैनिक संजना भारती समाचार पत्र ने 13 जून को प्रमुखता से उठाया था। विभाग के जेई हरि सिंह ने बताया कि सीवरेज की पाइपलाइन दबाते समय बीएसएनएल विभाग की केबल तार कट गई थी। विभाग द्वारा केवल तार को दुरुस्त कर दिया गया है। इसलिए विभाग ठेकेदार द्वारा खड्ढा भर दिया गया है।

मुख्य सड़क पर दुकानों के आगे बने खड्ढा को भरने पर नागरिकों व दूकानदारों ने राहत की सांस ली है। सहयोग करने के लिए राजौंद मार्केट कमेटी प्रधान भीम सिंह राणा व सभी दुकानदारों, नागरिकों ने दैनिक संजना भारती समाचार पत्र, ठेकेदार व प्रशासन का धन्यवाद किया है।

कांवड़ यात्राः सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी रेखा गुप्ता सरकार

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारी के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। रेखा गुप्ता ने बैठक के बाद कहा कि कांवड़ लेकर दिल्ली आने वाले लाखों शिवभक्तों पर सरकार विशेष ध्यान देगी। उन्हें सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। पिछली सरकारों के समय में सहायता और व्यवस्थाओं में जो अनियमितताएं होती थीं, उन्हें दूर करने की दिशा में सरकार काम करेगी। सरकार सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी। कांवड़ शिविर जुलाई से शुरू होंगे और शिवरात्रि तक चलेंगे। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में कांवड़ यात्रा में लाखों लोग हिस्सा लेते हैं और मुख्यमंत्री ने फैसला किया है कि कांवड़ियों की सेवा के लिए विशेष तैयारियां की जाएंगी और दिल्ली में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और उन्हीं विशेष व्यवस्थाओं के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री कांवड़ सेवा समिति के सभी आयोजकों के साथ बैठे हैं, दिल्ली में भव्य और सुंदर कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और हम सभी हर कांवड़िए की सेवा के लिए तैयार हैं। इससे पहले रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहती है। उन्होंने यहां तीस हजारी में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं देना है। इस मौके पर गुप्ता ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया, परीक्षणों की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौंपने के नाम पर भ्रष्टाचार किया गया। क्लीनिकों के लिए किराए पर जगह लेने में भी भ्रष्टाचार हुआ।

राज्य स्तरीय योगा उत्सव में भाग लेने मोतिहारी से स्काउट-गाइड दल रवाना

संजना भारती संवाददाता
मोतिहारी। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में 18 से 22 जून 2025 तक छपरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय योगा उत्सव में भाग लेने के लिए मोतिहारी से स्काउट-गाइड के बच्चों का एक दल दीपक कुमार गुप्ता जिला संगठन आयुक्त एवं अनीता देवी प्रशिक्षिका गाइड के नेतृत्व में आज जिले के मुख्यालय से रवाना हुआ। इस अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा ने बच्चों को हरी झंडी दिखाकर उत्साहवर्धन किया।

इस कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से स्काउट-गाइड के बच्चे भाग ले रहे हैं, जो योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। मोतिहारी के प्रतिनिधि दल में स्काउट-गाइड के कई युवा सदस्य शामिल हैं, जो इस आयोजन में अपनी प्रतिभा और अनुशासन का प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर पूर्व जिला संगठन आयुक्त राजकिशोर पासवान और इंजीनियर कुंदन कुमार मधुकर भी उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

यह आयोजन न केवल स्काउट-गाइड के बच्चों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

सम्पादकीय

मोदी की साइप्रस यात्रा

केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों? इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती जिंदाबाद लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है।

जयंती

दादा धर्माधिकारी

जन्म-18 जून, 1899, बैतूल ज़िला, मध्य प्रदेश; मृत्यु-1 दिसम्बर, 1985) भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और गाँधीवादी चिंतक थे। ये 'गाँधी सेवा संघ' के सक्रिय कार्यकर्ताओं में से एक थे। आप 'दादा धर्माधिकारी' के नाम से अधिक जाने जाते थे। दादा धर्माधिकारी ने अपना अधिकांश समय दलितों और महिलाओं के उत्थान में लगाया। हिन्दी, संस्कृत, मराठी, बंगला, गुजराती और अंग्रेजी भाषाओं का इन्हें अच्छा ज्ञान था। एक लेखक के रूप में इनकी दो दर्जन से भी अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई थीं।

पुण्यतिथि

मिलखा सिंह

जन्म-20 नवंबर, 1929; मृत्यु-18 जून, 2021) भारत के ऐसे प्रसिद्ध धावक थे जिन्हें लोग फ्लाइंग सिक्ख के नाम से जानते हैं। सन 1956 में मेलबर्न में आयोजित हुए ओलंपिक खेलों में उन्होंने पहली बार 200 मीटर और 400 मीटर की रेस में भाग लिया था। मिलखा सिंह ने 1958 में कटक में आयोजित नेशनल गेम्स में 200 मीटर और 400 मीटर स्पर्धा में रिकॉर्ड बनाए। इसके बाद उसी साल टोक्यो में आयोजित हुए एशियन गेम्स में उन्होंने 200 मीटर और 400 मीटर की दौड़ में भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। साल 1958 में ही इंग्लैंड के कार्डिफ में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में मिलखा सिंह ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 400 मीटर की रेस में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उस समय आजाद भारत में कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाले वे पहले भारतीय थे।

कल मिलेंगे

दांत का डॉक्टर-आपका दांत निकालना पड़ेगा क्योंकि ये सड़ चुका है.
राजू-हां तो कितने पैसे लगेंगे?
दांत का डॉक्टर-बस 500 रुपये लगेंगे.
राजू-50 रुपये ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, निकाल तो मैं खुद लूंगा

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा के मायने

भारत भी हमेशा से साइप्रस की एकता और अखंडता का समर्थन करता रहा है, बल्कि भारत की तो यह मांग रही है कि साइप्रस का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत हल किया जाए। बता दें कि साइप्रस और तुर्कीए का संघर्ष 1974 से ही चला आ रहा है, जब ग्रीस के समर्थन से साइप्रस में तख्तापलट हुआ था, ताकि साइप्रस को ग्रीस के साथ मिलाया जा सके

-चेतनादित्य आलोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में यूरोपीय संघ के सदस्य देश साइप्रस पहुंचे, जो भारत का पुराना मित्र भी है। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स ने हवाई अड्डे पर पहुंचकर उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में, उन्होंने पीएम मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत भी किया, जो भारत और साइप्रस के प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाता है। पीएम मोदी की तीन देशों की इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत करना, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को लेकर कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करना है। देखा जाए तो उपर्युक्त तीन देशों में भी साइप्रस का भारत के लिए अत्यंत विशेष महत्व है। हालांकि, अब तक हमने इस ओर कम ही ध्यान दिया है। तभी तो, लगभग 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने साइप्रस का आधिकारिक दौरा किया है। इससे पहले 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और 2002 में प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने रिपब्लिक ऑफ साइप्रस की आधिकारिक यात्रा की थी। बहरहाल, पीएम मोदी के साइप्रस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में आई मधुरता, एकजुटता और आपसी सहयोग की भावना आने वाले समय में तुर्कीए की नींद हराम करने वाली साबित होगी, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

दरअसल, पीएम मोदी के इस दौरे का उद्देश्य केवल भारत और साइप्रस के बीच मित्रता को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ विशेषकर कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर बोलते रहने वाले एवं पाकिस्तान को सैन्य तथा कूटनीतिक समर्थन और सहयोग प्रदान करते रहने वाले साइप्रस के पड़ोसी तुर्कीए को सख्त संदेश देना भी है कि भारत उसकी हरकतों का जवाब देना अच्छी तरह से जानता है। वहीं, भारत का साइप्रस के साथ खड़े होना तुर्कीए के लिए साफ संदेश है कि भारत उसके खिलाफ उन देशों का समर्थन कर करता रहेगा, जो तुर्कीए की आक्रामकता से परेशान हैं। तात्पर्य यह कि भारत ने तुर्कीए की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। साथ ही, पीएम मोदी की इस यात्रा से यह उम्मीद भी जगी है कि यह दोनों देशों के बीच की मित्रता को और प्रगाढ़ करने के अलावा आपसी व्यापार, संस्कृति एवं रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में भी प्रभावी साबित होगा। यह उम्मीद निराधार भी नहीं है, क्योंकि साइप्रस की भौगोलिक स्थिति इसे भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती है। बता दें कि यह भूमध्य सागर में तुर्कीए के दक्षिण में, लेवांत (सीरिया-लेबनान-फिलिस्तीन-इजरायल) के पश्चिम में और स्वेज नहर के निकट स्थित है। यानी साइप्रस यूरोप, एशिया और अफ्रीका के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत-मध्य-पूर्व-यूरोप कॉरिडोर (आइएमईसी) के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है।

आइएमईसी एक ऐसा व्यापारिक कॉरिडोर अथवा रास्ता है, जो भारत को मध्य-पूर्व के रास्ते यूरोप से जोड़ सकता है। यदि साइप्रस को इस कॉरिडोर में शामिल कर लिया जाए तो न केवल व्यापारिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, बल्कि तुर्कीए की अनपेक्षित हेकड़ी को बंद करने में भी सफलता मिल सकती है। दरअसल, इसी उद्देश्य से भारत ने हाल के वर्षों में तुर्कीए के तमाम विरोधी देशों, जिनमें ग्रीस, आर्मेनिया, मिस्र और साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए हैं। इस क्रम में ग्रीस, आर्मेनिया, और मिस्र के साथ मित्रता एवं व्यापारिक तथा सामरिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम मोदी उन देशों के दौरे पहले ही कर चुके हैं। अब, उनकी यह साइप्रस यात्रा तुर्कीए को चारों तरफ से घेरने के भारत के रणनीतिक अभियान का ही एक हिस्सा प्रतीत होती है। वैसे, भारत के लिए साइप्रस की मित्रता हमेशा से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बता दें कि संकट काल में साइप्रस ने हमेशा भारत का साथ दिया है, चाहे 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण के बाद का समय हो, जब हम दुनिया में अलग-थलग पड़ने लगे थे या 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के समय अथवा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने का मामला हो। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर भी साइप्रस ने पाकिस्तान या तुर्कीए के बजाए हमेशा भारत का साथ दिया है।

वहीं, भारत भी हमेशा से साइप्रस की एकता और अखंडता का समर्थन करता रहा है, बल्कि भारत की तो यह मांग रही है कि साइप्रस का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत हल किया जाए। बता दें कि साइप्रस और तुर्कीए का संघर्ष 1974 से ही चला आ रहा है, जब ग्रीस के समर्थन से साइप्रस में तख्तापलट हुआ था, ताकि साइप्रस को ग्रीस के साथ मिलाया जा सके। यही वह समय था, जब तुर्कीए ने साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया था, जिसके बाद से ही साइप्रस दो भागों में बंटा हुआ है। साइप्रस का दक्षिणी भाग ग्रीक साइप्रियट्स अथवा रिपब्लिक ऑफ साइप्रस कहलाता है, जिसे विश्व भर के देशों से मान्यता मिली हुई है। वहीं, इसका उत्तरी भाग तुर्की साइप्रियट्स के नाम से जाना जाता है। इसे तुर्कीए ने तुर्की रिपब्लिक ऑफ नॉर्दर्न साइप्रस घोषित किया हुआ है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नहीं है। तुर्कीए ने उत्तरी साइप्रस में अपनी सेना तैनात कर रखी है और समय-समय पर वहां की समुद्री सीमाओं पर भी अतिक्रमण करने का प्रयास करता रहता है। गौरतलब है कि साइप्रस की धरती में 12-15 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस का भंडार मौजूद है, जिस पर तुर्कीए कब्जा करना चाहता है। इतना ही नहीं, तुर्कीए के हस्तक्षेप के कारण साइप्रस को अपनी ही गैस को निर्यात करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

यहां तक कि तुर्कीए साइप्रस के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज भेजकर गैस खोजने की कोशिशें भी कर चुका है, जिससे साइप्रस, ग्रीस और यूरोपीय संघ के साथ उसका तनाव बढ़ने की खबरें भी आती रही हैं। दरअसल, तुर्कीए का मानना है कि साइप्रस जैसे छोटे-से द्वीप को इतना बड़ा समुद्री क्षेत्र (ईईजेड) नहीं मिलना चाहिए। तुर्कीए के ये तमाम प्रयास ईईजेड से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ हैं। जाहिर है कि यदि भारत साइप्रस के साथ संस्कृति, ऊर्जा, व्यापार या बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाता है, तो यह तुर्कीए के लिए बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, तुर्कीए की चतुर्दिक घेराबंदी और साइप्रस के साथ बढ़ते सहयोग एवं घनिष्ठता भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति एवं क्षमता का प्रतीक है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे

-ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरू किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इजरायल ने खामेनेई के खास को मिट्टी में मिलाया!

(एजेन्सी)।

ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच, इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने मंगलवार को दावा किया कि उसने तेहरान पर हमले में एक शीर्ष ईरानी कमांडर अली शादमानी को मार गिराया है, जो सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के सबसे करीबी सैन्य सलाहकार भी थे। वह ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ थे और सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर थे। अली शादमानी ने खतम-अल अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर आईआरजीसी (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) का नेतृत्व किया था। यह घटनाक्रम शादमानी की नियुक्ति के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जब उनके पूर्ववर्ती की इजरायल द्वारा हत्या कर दी गई थी। 13 जून को, ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने लेफ्टिनेंट जनरल घोलामाली रशीद के इजरायली हमले में मारे जाने के बाद शादमानी को IRGC का नया प्रमुख नियुक्त किया था। एक्स पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि 5 दिनों में दूसरी बार आईडीएफ ने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ, शासन के शीर्ष सैन्य कमांडर को मार गिराया है। ईरान के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और खामेनेई के सबसे करीबी सैन्य सलाहकार अली शादमानी, सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर मध्य तेहरान में भारतीय वायुसेना के हमले में मारे गए। इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर अली शादमानी को मार गिराया है। शादमानी 'खतम-अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' के प्रमुख थे। इजरायली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, शादमानी ईरान के 'सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर' ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के सबसे करीबी थे। इस दावे पर ईरान की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के विजेता कप्तान को मिलेगा पटौदी पदक

(एजेन्सी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज के विजेता कप्तान को पटौदी पदक से सम्मानित किया जायेगा जिससे इन दोनों देशों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में इस शाही परिवार का नाम बना रहेगा। पटौदी परिवार का दोनों देशों की क्रिकेट से गहरा नाता रहा है।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इससे पहले पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी करने का फैसला लिया था। पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा होनी थी लेकिन अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान के भीषण हादसे के मद्देनजर इसे टाल दिया गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट जगत के कुछ अन्य लोगों ने भी इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी।

पता चला है कि तेंदुलकर ने खुद ईसीबी से संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड क्रिकेट का हिस्सा बना रहना चाहिए। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह की भी इसमें भूमिका रही। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ईसीबी ने जब इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला किया तब तेंदुलकर ने उनसे संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा बना रहना चाहिए। जय शाह भी इस चर्चा में शामिल थे। ईसीबी ने अनुरोध पर सहमति जताते हुए विजेता कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया है।

पहले से तय कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो सका ऐसे में ट्रॉफी का नाम बदलने की औपचारिक घोषणा लीड्स में सीरीज के शुरूआती मैच से एक दिन पहले 19 जून को की जाएगी। तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज है।

पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में लंबे समय तक काउंटी क्रिकेट खेला है।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी भारत के लिए हर तरह से फायदेमंद होगी-खडसे

(एजेन्सी)।

खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी महज अंतराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और देश के युवाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों से निपटने की एक सुविचारित योजना भी है।

महाराष्ट्र के रावेर निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार लोकसभा सांसद रह चुकी 38 वर्षीय खड़से ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में इस आलोचना को खारिज कर दिया कि देश को ओलंपिक की मेजबानी जैसे खचीर्ले आयोजन का लक्ष्य रखने से पहले देश को खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यहां अपने कार्यालय में बातचीत में कहा, ओलंपिक 2036 याराष्ट्रमंडल खेल 2030 जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी की तैयारी का मतलब है विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, आर्थिक निवेश और एक ऐसी प्रणाली को तैयार करना है जिसका फायदा सीधे खिलाड़ियों को मिलेगा।

खड़से ने कहा, खेल अवसाद और यहां तक कि नशीली दवाओं की लत जैसी कई समस्याओं से निपटने का एक तरीका है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए जब आप ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं तो वह समाज के लिए प्रेरक शक्ति का काम करती हैं। खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी अगले महीने गति पकड़ लेगी, जब खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले साल अपना आशय पत्र सौंपने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के साथ चर्चा के लिए लुसाने जाएगा।

खड़से ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि ओलंपिक की मेजबानी करके हम एक संदेश देंगे। यह इस बात का संकेत है कि आप एक विकसित देश हैं। लेकिन साथ ही, यह युवाओं को राष्ट्र-निमार्ता के रूप में नेतृत्व करने का अवसर भी देता है। उन्होंने कहा कि खेलों की मेजबानी और भारतीय खेलों के विकास को अलग-अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। खेल मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाली दूसरी महिला और सबसे कम उम्र की खड़से ने कहा, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि खर्च किया गया प्रत्येक रुपया देश को भविष्य में लाभ पहुंचाए।

पेरिस ओलंपिक 2024 की लागत नौ अरब डॉलर से ज्यादा थी, जबकि लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 के खेलों के लिए सात अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है। कई बार ऐसा होता है कि अनुमानित लागत अंतिम खर्च से काफी ज्यादा होती है। ओलंपिक की बोली को सफल बनाने के लिए आपसी सहयोग बेहद महत्वपूर्ण होगा लेकिन भारत के राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) अक्सर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में उलझे रहते हैं, जिसके कारण अदालती मामले सामने आते हैं, जिससे खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचता है।

इंडिगो ने दिल्ली से जोरहाट और तिरुचिरापल्ली के लिए सीधी उड़ान की घोषणा की

(एजेन्सी)।

इंडिगो ने अपने यात्रियों के लिए जोरदार ऐलान किया है। इंडिगो ने सोमवार को घोषणा की कि वह 20 सितंबर 2025 से दिल्ली और असम के जोरहाट के बीच सीधी उड़ानें (सप्ताह में चार बार) संचालित करेगी। इन उड़ानों की शुरूआत 16 सितंबर, 2025 से होगी। ये फ्लाइट राष्ट्रीय राजधानी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से जोड़ेंगी। इन उड़ानों का संचालन रोज होगा।

ये उड़ानें दिल्ली से पूर्वोत्तर भारत और दक्षिणी तमिलनाडु के प्रवेशद्वार तक कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, व्यापार में सुविधा होगी और स्थानीय व्यवसायों को समर्थन मिलेगा। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा, "हमें दिल्ली से जोरहाट और तिरुचिरापल्ली के लिए विशेष सीधी उड़ानें शुरू करने की खुशी है, जो घरेलू कनेक्टिविटी का विस्तार करने और देश भर में पहुंच बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं। ये दैनिक उड़ानें इन क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक अजूबों को देखने के लिए किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करने का प्रयास करेंगी।"

जोरहाट पूर्वोत्तर भारत का आध्यात्मिक और आर्थिक रत्न है। यह दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली के करीब है, जो वैष्णव संस्कृति और मठों का केंद्र है। आर्थिक रूप से, जोरहाट अपने चाय उद्योग पर फलता-फूलता है, जो दुनिया भर में बेहतरीन चाय का उत्पादन करता है, और कृषि और व्यापार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से शहर की निकटता भी पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देती है, जिससे स्थानीय आजीविका और संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा मिलता है।

हिम्मत सिंह के रूप में केके मेनन की वापसी

(एजेन्सी)। हिम्मत सिंह वापस आ गया है! जियोहोटर का स्पेशल ऑप्स सीजन 2 11 जुलाई को वापस आएगा। सीजन 2 का ट्रेलर कल सितारों से सजी एक सेरेमनी में रिलीज किया गया। नीरज पांडे की बहुचर्चित जासूसी सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' एक और सीजन के लिए वापस आ रही है, और प्रशंसक उत्साहित हैं! स्पेशल ऑप्स 2, स्पेशल ऑप्स (2020) और इसके स्पिन-ऑफ, स्पेशल ऑप्स 1.5 (2021) का सीक्वल है। वेब सीरीज के दूसरे सीजन के लिए के के मेनन ने सख्त और साधन संपन्न जासूस हिम्मत सिंह की अपनी भूमिका को दोहराया है, स्पेशल ऑप्स साइबर-आतंकवाद के केंद्रीय विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। निर्माताओं ने सोमवार, 16 जून, 2025 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए आधिकारिक तौर पर 'स्पेशल ऑप्स 2' का ट्रेलर और रिलीज की तारीख जारी कर दी है। नीरज पांडे द्वारा निर्मित, लोकप्रिय जासूसी थ्रिलर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' की दूसरी किस्त, 11 जुलाई, 2025 को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर प्रीमियर के लिए तैयार है। इस सीरीज में के के मेनन, करण टैकर, गौतमी कपूर और मुजामिल इब्राहिम मुख्य भूमिकाओं में हैं। नए रिलीज हुए ट्रेलर में हिम्मत सिंह (के के मेनन द्वारा अभिनीत) को साइबर-आतंकवाद के खतरे से जूझते हुए दिखाया गया है, जिसमें विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) शामिल है। 2 मिनट और 10 सेकंड के इस ट्रेलर में हिम्मत और उनकी टीम द्वारा अपने डिजिटल दुश्मन के खिलाफ लड़ने के लिए एक हाई-स्टेक रेस्क्यू मिशन के बारे में बताया गया है।

गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का हुआ लोकार्पण

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा ने लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को भारत सरकार में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ गुरुग्राम के मानेसर स्थित मारुति प्लांट में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजुकी प्लांट में स्थापित यह टर्मिनल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार किया गया है जोकि भारत में विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक बड़ी योजना है।

इस पूरी परियोजना पर 1 लाख 17 हजार 91 मिलियन रुपए की लागत आई है। इसमें हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 55.4 प्रतिशत, एचएसआइआइडीसी की 19 प्रतिशत और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देश के दूसरे और हरियाणा के पहले गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में पहुंचने पर केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का स्वागत किया।

उन्होंने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल की शुरूआत हरियाणा की विकास गाथा में एक नए स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ है। यह सिर्फ लोह-इस्पात का ढांचा नहीं, बल्कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्गो टर्मिनल से न केवल मानेसर और गुरुग्राम प्लांट में बनी गाड़ियां देश के 17 हब और 380 शहरों तक पहुंचेंगी, बल्कि पीपावाव और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों तक निर्यात होने वाले वाहन भी भेजे जाएंगे। यह हरियाणा को वैश्विक सप्लाई चेन से सीधे तौर पर जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि इस ऐतिहासिक परियोजना को साकार करने में हरियाणा सरकार एक प्रमुख भागीदार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का एक प्रमुख ऑटोमोबाइल विनिर्माण हब बन चुका है। इस समय भारत में बनने वाली कारों का लगभग 50 प्रतिशत उत्पादन हरियाणा में किया जा रहा है। हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मारुति के आंतरिक रेलवे यार्ड का विकास किया जाना, हमारी 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राज्य ने लॉजिस्टिक्स हब बनने की अपनी प्रतिबद्धता को पुष्ट करते हुए पूरे हरियाणा में कौशल बढ़ाने के लिए विभिन्न उद्योग निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी साझेदारी की है। मुख्यमंत्री ने कहा यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच पी.एम. गतिशक्ति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक क्रांति है। जिसमें देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के तरीके को बदलने का एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदृष्टिता ने पूर्व निर्धारित कार्य संस्कृति को बदलते हुए होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच यानि संपूर्ण सरकार की साझा सोच को जन्म दिया है। श्री सैनी ने कहा कि पीएम गति शक्ति एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो रेल, सडक, बंदरगाह, हवाई अड्डे, जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स जैसे सभी महत्वपूर्ण विभागों को एक साथ लाता है। मारुति सुजुकी की रेलवे साइडिंग इसी विजन का जीता-जागता प्रमाण है। यहाँ मारूति प्लांट के अंदर बनी कारें सीधे कार्गो ट्रेन में लोड होंगी और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा क्रांतिकारी बदलाव आया है। आज रेलवे का वार्षिक बजट 2.50 लाख करोड़ रुपए है जबकि पहले यह 24 से 25 हजार करोड़ रुपए वार्षिक था। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्ष के दौरान ही 1200 से ज्यादा जनरल कोच रेलवे को मिले हैं। वहीं पैसेंजर ट्रेनों के अपग्रेडेशन की बात करें तो देश को जल्द ही 100 नई मेन लाइन ईएमयू (मेमू) गाड़ियां मिलेंगी। कम दूरी की यात्राओं के लिए नई मेमू में 16 और 20 कोच होंगे जोकि पुरानी मेमू में 8 और 12 होंगे। इसी तरह 50 नई नमो भारत पैसेंजर गाड़ियां भी रेल नेटवर्क में शामिल होंगी।

उन्होंने हरियाणा के सोनीपत में स्थित रेल कारखाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस कारखाने के आधुनिकीकरण की परियोजना भी तैयार की जा रही है। जल्द ही इस परियोजना का काम भी शुरू होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आज प्रदेश में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। बीते 11 वर्षों में हरियाणा में रेल नेटवर्क के विस्तार पर बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा 315 करोड़ रुपए का बजट मिला था जबकि 2014 से अब तक 3416 करोड़ रुपए प्रदेश को आबंटित हुए हैं। वर्ष 2014 के उपरांत हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हुआ। साथ ही 823 किमी लंबाई वाले ट्रैक बिछाए गए जोकि संयुक्त अरब अमीरात के रेल नेटवर्क से भी बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है। हरियाणा में 34 अमृत भारत स्टेशन बनाने का काम जारी है। इस दौरान 540 रेलवे ओवर ब्रिज व अंडर पास बनाए गए हैं।

यूथ कांग्रेस के चुनावी नतीजे घोषित, 31 जिला अध्यक्ष तो 84 चुने गए हल्का प्रधान

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा में यूथ कांग्रेस की चुनाव प्रक्रिया के तहत मंगलवार को चुनावी नतीजे घोषित कर दिए गए। यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए अब तीन नेताओं में मुकाबला रहा है। वोटिंग के जरिये यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों का फैसला हो रहा है। प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया के बेटे नितिश कटारिया, करनाल के वरिष्ठ नेता रघबीर संधू के बेटे सोमुल संधू तथा कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार रहे पंडित होशियारी लाल शर्मा के पोते मोहित शर्मा के बीच मुकाबला बच गया है।

इन तीनों को ही चुनावी नतीजों के बाद पार्टी के चुनाव आयोग ने प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए डेलीगेट बनाया है। अब इंटरव्यू के जरिये प्रदेशाध्यक्ष पद का फैसला होगा। इन तीनों में से किसी को भी प्रदेशाध्यक्ष बनाया जा सकता है। नितिश कटारिया की गिनती रोहतक सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थकों में होती है। माना जा रहा है कि नितिश के चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा ने अंदरखाने काफी मदद भी की है। इस बार यूथ कांग्रेस चुनावों में दिलचस्प पहलू यह रहा कि वोट काफी कम बन पाए।

अहम बात यह है कि मृतक महिला नेत्री हिमानी नरवाल का नाम भी प्रदेश सचिव के लिए है। हिमानी का करीब तीन माह पूर्व मर्डर हो गया था। जब यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों का फैसला चुनावों के जरिये करने की शुरूआत हुई थी तो उस समय प्रदेश में 16 लाख से अधिक सदस्य बने थे। वहीं इस बार सवा तीन लाख से अधिक बोगस सदस्य निकलने की वजह से भी पार्टी की फजीहत हुई है। प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे 20 उम्मीदवारों में से अब तीन प्रदेशाध्यक्ष पद की लड़ाई के लिए बच गए हैं। बाकी 17 उम्मीदवारों को उनके वोट के हिसाब से विभिन्न पदों पर एडजस्ट किया जा चुका है।

सिकंदर प्रधान को ओपन सीट पर प्रदेश महासचिव, राजकुमार यादव कनीना को महासचिव (ओबीसी), प्रदीप यादव को महासचिव (ओपन सीट), अजरूद्दीन मास्टर अजहर को महासचिव (अल्पसंख्यक), गुलाब सिंह को महासचिव (ओपन), नमन केड़िया को महासचिव (अल्पसंख्यक), पिंकी को महासचिव (ओबीसी), सूरज रिढाऊ को महासचिव (ओपन), आर्यन चौधरी को महासचिव (अल्पसंख्यक), नवीन दहिया को महासचिव (ओपन), योगेश फोगाट को महासचिव (ओपन) तथा प्रियांश मलिक को ओपन पद के लिए प्रदेश महासचिव बनाया गया है। इसी तरह से योगेंद्र सोनी, राकेश सांघी व अतुन सिंह लठवाल को ओपन पद के लिए प्रदेश महासचिव, अंकुमर मेहनत को महासचिव (ईसी), प्रतीक चौधरी व अमन ढिल्लों को प्रदेश महासचिव तथा एससी-एसटी कैटेगरी में विकास कुमार को प्रदेश महासचिव का पद मिला है। ओबीसी कोटे से अजय कुमार, ईसी में कविश सलुजा, ओपन में सागर शर्मा, सतीश कुमार, गौरव जयरामपुर, रोहित श्योराण, नवदीप सिंह तथा कृष्ण कुमार को प्रदेश महासचिव बनाया गया है। इनमें से तीन को जिला महासचिव नियुक्त किया है। इनमें अमित कुमार, मनीष कुमार रांगी व यादवेंद्र श्योराण शामिल हैं।

31 चुने गए जिलाध्यक्ष-चुनाव प्रक्रिया के बाद यूथ कांग्रेस के 31 जिलाध्यक्ष भी चुने गए हैं। इनमें शहरी व ग्रामीण जिलाध्यक्ष शामिल हैं। अंबाला (ग्रामीण) में उद्धम सिंह, अंबाला शहरी में हरमनप्रीत सिंह, भिवानी में मनदीप सुई, चरखी दादरी में दीपक सांगवान, फरीदाबाद (ग्रामीण) में हरीश कुमार व फरीदाबाद (शहरी) में विकास दायना को जिलाध्यक्ष बनाया है। फतेहाबाद में संजय कुमार, गुरुग्राम ग्रामीण में सचिन कुमार व शहरी में अभिषेक यादव, हिसार ग्रामीण में सोविन कुमार व शहरी में विकास ढांडा, झज्जर में अंजु दहिया, जींद में सुखबीर मलिक, कैथल में कविश मिढ्ढा, करनाल ग्रामीण में रजत लाठर व शहरी में सुमित मंधान, कुरुक्षेत्र में कुलदीप सिंह, महेंद्रगढ़ में पुनित कुमार, मेवात में मोबिन खान, पलवल में योगेश कुमार तथा पंचकूला में सुभम नाहर जिलाध्यक्ष बने हैं। पानीपत ग्रामीण में जसबीर जागवान व शहरी में मनीष मलिक, रेवाड़ी में राज प्रकाश, रोहतक ग्रामीण में सुशील हुड्डा व शहरी में हरदीप राणा, सिरसा में गोविंद सिंह, सोनीपत ग्रामीण में रविंद्र व शहरी में अनिल सैनी, यमुनानगर ग्रामीण में सरबजोत सिंह व शहरी में दिलराज सिंह जिलाध्यक्ष बने हैं।

ब्लेयर टोंक ने सेंचुरी जयपुर को 10 विकेट से हराया

संजना भारती संवाददाता

टोंक। कोच इम्तियाज अली खान ने बताया की जयपुर में चल रहे जे डी सी ए U14 मानसून कप में टोंक ब्लेयर का पहला मैच जयपुर के सेंचुरी क्रिकेट क्लब से निठारवाल क्रिकेट ग्राउंड, जयपुर में खेला गया, जिसमे सेंचुरी क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 25 ओवर में 8 विकेट पर 68 रन बनाए, सेंच्युरी की और से चित्रार्थ ने सर्वाधिक 18(44) रन बनाए, बलेयर्स की और से गेंदबाजी करते हुए नायफ मोहसिन रशीद ने 2, आयुष चौधरी ने 2 एवं मोजेज रशीद, कुणाल कुमार, रक्षित परिहार व मोहमम्द सऊद ने 1-1 विकेट लिए। जिसके बाद सेंचुरी के 68 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी करने उत्तरी बेलयर की ओपनिंग जोड़ी मोहमम्द सऊद व नायफ मोहसिन रशीद ने मात्र 6.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 71 रन बना कर मैच ब्लेयर टोंक की झोली में डाल दिया। जिसमें मोहमम्द सऊद ने 8 चोको और 1 छक्के की मदद से नाबाद 43 (17) व नायफ मोहसिन रशीद ने 4 चोको की मदद से 27 (21) रन बनाए।

कोच अजहर अली ने बताया की मात्र 17 गेंदों में नाबाद 43 रनों की धुआंधार पारी खेलने के लिए मोहमम्द सऊद को बेस्ट बैट्समैन चुना गया। वहीं नाबाद 27 रन व 4 ओवर में 3 मेडन ओवर के साथ मात्र 2 रन देकर 2 विकेट लेने पर नायफ मोहसिन रशीद को में बेस्ट बॉलर व मेन ऑफ द मैच चुना गया।

अवध बनिया संघ की बैठक आयोजित

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। अवध बनिया जाति संघ की बैठक बुधवार को ग्राम इकाई गोविंदपुर की मां भगवती मंदिर परिसर में आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता डीलर साहब वैद्यनाथ महतो ने किया। संगठनात्मक विकास हेतु सम्पन्न इस बैठक में नई कमिटी का गठन किया गया। उक्त मौके पर डॉ. राम उदगार महतो ने जातीय संगठन की सक्रियता पर बल दिया। पूर्व मुखिया प्रतिनिधि रंजीत महतो ने संघ के विस्तार एवं उद्देश्य पर विचार रखा। उक्त बैठक में राम उदगार महतो को अध्यक्ष, शंकर महतो को उपाध्यक्ष, संजय कुमार महतो को सचिव,अमित कुमार को संयुक्त सचिव बनाया गया।

महेंद्र प्रसाद महतो, दुलारचंद महतो, रंजीत महतो, सुरेश कुमार ने पर्यवेक्षक की भूमिका निभायी मौके पर सुरेश महतो, अवधेश महतो, रामराजी महतो, दिनेश महतो, जगदीश महतो, अर्जून महतो सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

बरसाती नालों की सफाई व डिस्पोजल पम्प का किया निरीक्षण, सफाई कार्य जल्द मुकम्मल करने के दिए सख्त निर्देश: निगमायुक्त

मानसून के दौरान जल भराव न हो, अभियंता रहें मुस्तैद, डिस्पोजल पम्प रहें एक्टिव

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। मानसून के दौरान जल भराव न हो, इसके लिए नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने मंगलवार को फील्ड में उतरकर इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ विभिन्न नालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने करीब 3 घण्टे शहर का दौरा किया और नालों की साफ-सफाई देखी। दौरे में उनके साथ कार्यकारी अभियंता प्रदीप कल्याण व प्रियंका सैनी, सलाहकार महीपाल सिंह तथा सम्बंधित सहायक व कनिष्ठद्द अभियंता मौजूद रहे।

निगमायुक्त से सबसे पहले राम नगर क्षेत्र का दौरा कर मीरा घाटी डिस्पोजल तक जाने वाले नाले का निरीक्षण किया। बता दें कि इस नाले की सफाई का कार्य एक बार पूरा कर लिया गया है। अब दोबारा इसकी सफाई शुरू करवाई गई है, ताकि बरसाती सीजन में जल निकासी में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने नाले की विभिन्न जगहों से सफाई जांची। इसके बाद उन्होंने प्रेम नगर क्षेत्र का दौरा कर डिस्पोजल पम्प व नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने डिस्पोजल पर लगी मोटरे व जेन सेट को चलवाकर देखा।

इस दौरान राम नगर क्षेत्र में एक डेयरी संचालक द्वारा नाले में गोबर गिराया जा रहा था, जिसे देख निगमायुक्त ने संचालक का चालान करने के निर्देश दिए। निर्देश पर संज्ञान लेते हुए सहायक सफाई निरीक्षक गुलाब सिंह ने डेयरी संचालक का 5 हजार रुपये का चालान किया। सम्बंधित व्यक्ति को चेतावनी भी दी कि वह अपनी डेयरी को पिंगली स्थित डेयरी परियोजना स्थल पर जल्द से जल्द स्थानांतरित करे, अन्यथा डेयरी को सील कर दिया जाएगा।

इसके पश्चात उन्होंने रेलवे फ्लाईओवर के नीचे राजीव पुरम से बगवाडिया गैस एजेंसी को जा रहे नाले की पैदल चलकर सफाई देखी। उन्होंने एजेंसी प्रतिनिधि को निर्देश दिए कि नाले के आस-पास उगी घास व झाडियों को साफ किया जाए। इसके अतिरिक्त कहीं पर सी एंड डी वेस्ट हो तो उसे भी उठाया जाए। इसके बाद उन्होंने हांसी रोड से घोघड़ीपुर रेलवे फ्लाईओवर तक जाने वाले नाले, शिव कॉलोनी स्थित रेलवे अंडर ब्रिज डिस्पोजल पम्प, संत गुरू रविदास मंदिर के आगे से गुजरने वाला नाला तथा गौशाला रोड नाले का निरीक्षण कर साफ-सफाई देखी।

उन्होंने दौरे में मौजूद सभी अभियंताओं को सख्त निर्देश देते कहा कि नालों की सफाई का कार्य जल्द पूरा किया जाए। सभी ड्रेन की सफाई नियमित तौर पर करवाते रहें। सभी डिस्पोजल पम्प सक्रिय रहें। इसके अतिरिक्त गांवों में मौजूद तालाबों की सफाई भी जल्द पूरी करवाई जाए। सफाई के दौरान निकली गाद को साथ-साथ उठवाते रहे।

मेन होल खुला न रहे। अगर कहीं स्लैब टूटी है तो उसे बदला जाए। उन्होंने कहा कि शहर में जितनी भी जल भराव की संभावित जगह हैं, ऐसी सभी जगहों के लिए मानसून आने से पहले डीजल पम्प इत्यादि इंतजाम तैयार रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर वहां इन्हें तैनात कर पानी निकासी करवाई जा सके।

नगर निगम ने सम्पत्ति कर डिफाल्टरों पर की बड़ी कार्रवाई, 7 सम्पत्तियों को किया कुर्क: डॉ. वैशाली शर्मा

प्रॉपर्टी टैक्स डिफाल्टरों पर कार्रवाई रहेगी जारी-निगमायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सम्पत्ति कर डिफाल्टरों के विरूद्ध नगर निगम करनाल ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई में शहर की 7 सम्पत्तियों को अटैच यानि कुर्की की गई है। इन सम्पत्तियों पर करीब 24 लाख रुपये का सम्पत्ति कर लंबे समय से बकाया चला आ रहा था, जिस कारण यह डिफाल्टर की श्रेणी में थे। इन सम्पत्तियों को हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 130 के तहत अटैच किया गया है। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

कार्रवाई की जानकारी देते उन्होंने बताया कि मंगलवार को 14 सम्पत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की जानी थी। इनमें से 7 को अटैच कर लिया गया है, जबकि 6 सम्पत्ति मालिकों ने अटैचमेंट की कार्रवाई से बचने के लिए मौके पर ही करीब 48 लाख 70 हजार रुपये की राशि के चेक टीम को सौंप दिए। इसके अतिरिक्त एक प्रॉपर्टी, एन.एच.-44 स्थित द रूतबा पैलेस के संचालक की ओर से सम्पत्ति कर जमा करवाने के लिए 2 दिन का लिखित में समय मांगा है।

उन्होंने बताया कि सम्पत्ति कर एकत्र करने को लेकर उपरोक्त सभी सम्पत्ति मालिकों को 2-2 नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद इन्हें अटैचमेंट का नोटिस भी जारी किया गया था, परंतु सम्पत्ति मालिकों के द्वारा इसे गम्भीरता से नहीं लिया गया, जिसके चलते अटैचमेंट की कार्रवाई गई। कार्रवाई को अंजाम देने के लिए उप निगम आयुक्त अभय सिंह को ड्यूटि मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था, जबकि क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, कर अधीक्षक गगनदीप सिंह तथा प्रवर्तन दल के सदस्य मौजूद कार्रवाई में मौजूद रहे।

इन सम्पत्तियों को किया कुर्क- कार्रवाई के दौरान 7 डिफाल्टर सम्पत्तियों की कुर्की की गई है। इनमें अस्पताल चौक स्थित बीकानेर भोजनालय, सम्पत्ति कर 3 लाख 78 हजार 889 रुपये, मॉडल टाऊन स्थित कबीर एंटरप्राईसिस, सम्पत्ति कर 8 लाख 41 हजार 123 रुपये, सेक्टर-8 स्थित एक दुकान, सम्पत्ति कर 6 लाख 34 हजार 720 रुपये, सेक्टर-7 स्थित एक दुकान, सम्पत्ति कर 3 लाख 78 हजार 150 रुपये, सेक्टर-4 स्थित भारत गैस भंडारण गोदाम, सम्पत्ति कर 7 लाख 84 हजार 423 रुपये, सेक्टर-3 स्थित इंडियन मोटर्स हवाई भोजनालय, सम्पत्ति कर 6 लाख 38 हजार 706 रुपये तथा प्रीतम नगर स्थित शर्मा सैप्पियर पार्ट्स, सम्पत्ति कर शामिल 6 लाख 3 हजार 891 रुपये है। बता दें कि कबीर एंटरप्राईसिस के मालिक द्वारा अटैचमेंट की कार्रवाई के बाद नगर निगम कार्यालय में आकर सम्पत्ति कर जमा करवा दिया गया है।

इन सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर जमा करवाया प्रॉपर्टी टैक्स- अटैचमेंट कार्रवाई के दौरान 6 सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर सम्पत्ति कर जमा करवाया है। इनमें रेड कारपेट लॉन सम्पत्ति कर 9 लाख 23 हजार रुपये, विश्वकर्मा इंजीनियरिंग वर्कस, सम्पत्ति कर 9 लाख 18 हजार 35 रुपये, पर्ल फोर्ड शोरूम, सम्पत्ति कर 9 लाख 97 हजार 645 रुपये, मोती नगर स्थित एक प्रॉपर्टी, सम्पत्ति कर 5 लाख 5 हजार 371 रुपये, प्रीमत नगर स्थित भंडारण गोदाम, सम्पत्ति कर 4 लाख 17 हजार 328 रुपये तथा द डिवाईन बैक्वंट लॉन, सम्पत्ति कर 6 लाख 90 हजार 20 रुपये शामिल है।

उन्होंने कहा कि यदि अटैचमेंट की गई सम्पत्तियों के मालिकों द्वारा नगर निगम में सम्पत्ति कर जमा नहीं करवाया जाता, तो उनकी सम्पत्तियों को नीलाम कर नगर निगम सम्पत्ति कर वसूल करेगा। उन्होंने कहा कि सभी बकायादार जल्द से जल्द अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाकर निश्चिंत हो जाएं। उन्होंने यह भी चेताया की कुर्की की गई सम्पत्तियों को अगर कोई व्यक्ति अतिक्रमण या किसी प्रकार की छेड़छाड़ करता है, तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई अम में लाई जाएगी।

दूसरी ओर निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा का कहना है कि नगर निगम का बकाया प्रॉपर्टी टैक्स करोड़ो रुपये में है। इसमें सरकारी व गैर-सरकारी संस्थान भी शामिल हैं। इसके अलावा 1 लाख रुपये से ऊपर के भी बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी टैक्स डिफाल्टर हैं। नगर निगम के प्रयास जारी हैं। सभी बकायादारों से कर की वसूली की जाएगी। अगर कोई सम्पत्ति कर नहीं जमा करवाता, तो उसके विरूद्ध नगर निगम सख्त कार्रवाई अमल में लाएगा। उन्होंने कहा कि यदि बकायादार नगर निगम के खजाने में सम्पत्ति कर जमा करवाता है, तो यह शहर के विकास और जनता की सुविधाओं पर ही खर्च होगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में की समीक्षा बैठक

11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन के सभागार में आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई। 15 से 21 जून तक 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को कार्ययोजना के अनुसार सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जनपद के सभी स्वास्थ्य केंद्र, आयुष चिकित्सालय, पुलिस थाने और विद्यालयों में योगाभ्यास कार्यक्रम होंगे। उन्होंने आयोजन स्थलों पर मंच, मैटिंग, मार्ग सूचक, यातायात/पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, एल0ई0डी0 टीबी, बिजली, साउण्ड, कालर माईक, स्थल का ब्लाक विभाजन सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के लिए कहा है। तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी, ब्लॉक स्तर पर खंड विकास अधिकारी और नगर निकायों में अधिशासी अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस वर्ष की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योग स्वास्थ्य के लिए अमृत समान है। युवाओं को योग कार्यक्रमों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को संगम नोज पर आयोजित किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने पीडब्ल्यूडी विभाग को मंच, कारपेट, साउंड सिस्टम तथा एलईडी स्क्रीन के व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई। जलकल विभाग एवं पराग डेयरी को पीने के पानी हेतु वॉटर डिस्पेंसर, डिस्पोजेबल ग्लास इत्यादि की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गयी है। डीपीआरओ को सफाई व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि संगम नोज पर आयोजित होने वाले योगाभ्यास कार्यक्रम में लगभग 8000 लोग सम्मिलित होंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ सहित चिकित्सीय सुविधा, ओ0आर0एस0 एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को वृहद योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभागियों की उपस्थिति एवं उनकी सकुशल वापसी सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को योग कार्यक्रम के सम्बंध में आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित कराने तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को विकास खण्ड मुख्यालयों/ग्राम पंचायतों/अमृत सरोवरों में चिन्हित स्थल पर 21 जून तक नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के प्रतिदिन की फोटो https://iyd2025.com एवं mygov पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड़ सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। समस्त कार्यकम के नोडल अधिकरी जिला विकास अधिकारी होंगे, जिनका पूर्ण सहयोग क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी द्वारा किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक लोगो को योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु जागरूक करने के लिए कहा है।

बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: 9871221635

कन्या भ्रूण हत्या करने वालों को बख्शा न जाए, दोषी को सजा अवश्य मिले: उपायुक्त उत्तम सिंह

डीसी ने जिला स्तरीय सलाहकार समिति की ली बैठक, लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाने के दिए निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है। इस अपराध में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए, दोषी को सजा अवश्य मिले। इसके लिए अधिकारियों को कहा कि पैरवी बेहतरीन तरीके से की जाए।

उपायुक्त मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण अधिनियम (पीएनडीटी एक्ट) के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि लिंग परीक्षण करवाना और करना दोनों कानूनी तौर पर अपराध हैं, ऐसे व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखें और सख्त कार्रवाई करें। कन्या भ्रूण हत्या एक सामाजिक बुराई है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर रेड बढ़ाएं तथा औचक निरीक्षण कर उनके रिकॉर्ड की जांच करें। उन्होंने कहा कि अब तक कन्या भ्रूण हत्या से जुड़े जितने मामले दर्ज हुए हैं, उनका डाटा अगली बैठक में प्रस्तुत करें और यह भी बताना सुनिश्चित करें कि कितने लोगों को सजा मिली है और कितने लोग बरी हुए हैं, साथ ही बरी होने का कारण भी स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि पीएनडीटी से जुड़े मामलों को जिला न्यायवादी के संज्ञान में लाएं ताकि उनकी बेहतरीन तरीके से पैरवी हो सके, दोषी को सजा मिले। उन्होंने कहा कि जो टीम लिंगानुपात जांच की सूचना मिलने पर रेड करने जाती है, उसकी ट्रेनिंग करवाएं तथा फिर भी वो अगर रेड में सही कार्य नही कर पाते हैं तो उन कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने सीएमओ को कहा कि जिन गांवों में लिंगानुपात कम है, उन गांवों की सूची बनाएं तथा वहां पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएं।

उन्होंने ड्रग कंट्रोल अधिकारी को निर्देश दिए कि मेडिकल स्टोर का नियमित निरीक्षण करें और उनके रिकॉर्ड की जांच करें। मेडिकल स्टोर पर लगाए गए हाई रेजोल्यूशन के सीसीटीवी कैमरों को समय-समय पर चेक करें तथा उसके रिकॉर्ड की एक प्रति भी अगली बैठक में लेकर आएं।

उन्होंने डीपीओ को निर्देश दिए कि सीडीपीओ, सुपरवाइजरों की बैठक बुलाएं और इसके बाद धरातल पर कार्य कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सचेत करें कि उनके क्षेत्र में कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित कोई भी घटना न घटे और गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान रखें और उनके पास उनके गांवों का पूरा रिकॉर्ड होना चाहिए कि गांव में कितने बच्चे हुए हैं और कितनी महिलाएं गर्भवती हैं।

राजौंद में 'मोदी सरकार के 11 वर्ष-संकल्प से सिद्धी तक' विशेष कार्यक्रम आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद मंडल में 'मोदी सरकार के 11 वर्ष-संकल्प से सिद्धी तक' विशेष कार्यक्रम नगरपालिका के प्रांगण में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर नपा प्रांगण में मुख्य वक्ता, नपा चैयरपर्सन, मंडलाध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष हजवाना व जिला आई टी प्रमुख बलविंद्र जांगडा रहे। प्रोग्राम के संयोजक मंडल अध्यक्ष सुशील पांचाल रहे। कार्यक्रम में मोदी सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में बताया गया।

मुख्य वक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से किया गया हर वायदा पूरा किया है। आज हर नागरिक की जुबान पर है 'मोदी है तो मुमकिन है।' धारा 370 हटाना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक खत्म करना, पाकिस्तान को गोली का जवाब गोले से देना, मोदी राज में ही सम्भव हो सका है।

मंडलाध्यक्ष ने कहा कि जनता का मोदी पर विश्वास व स्नेह की कोई सीमा नहीं है। मोदी जनता के दिलों पर राज करते हैं। वे खुद को प्रधानमंत्री की बजाए प्रधान सेवक मान कर जनसेवा में समर्पित है। नपा चैयरपर्सन बबीता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीब के सिर पर छत आई है। बिना शिफारिश, बिना खर्ची व पर्ची के पात्र नागरिकों तक लाभ पहुंचता है। यह मोदी राज में ही सम्भव है। मंडल महामंत्री ने बताया कि मोदी राज में संसार के देशों में भारत की छवि पहले से बेहतर हुई है। विश्व मानचित्र पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम दिन-रात काम कर रही है।

इस अवसर पर नगरपालिका चेयरपर्सन बबीता, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल दिक्षित, मंडल महामंत्री लोकेश राणा, पवन शर्मा, डाक्टर संदीप राणा, पार्षद कर्मपाल राणा, पार्षद डाक्टर संजय राणा, कमल राणा, बलविंदर दीक्षित, रामनिवास जांगड़ा, सतीश पांचाल भगत, सतबीर सरपंच कोटड़ा, विरेन्द्र राणा, अनूराधा राणा, अरूण कुमार, शेखर दीक्षित, नीरज कुंडू, जंगीर सिसला, लीना देवी, राजकुमार सैनी, मुकेश सरपंच, पवन ढांडा, संजीव कुमार, संजय कोटड़ा, विकास शर्मा, राजेश कश्यप, बिट्टू कश्यप, राजेश शर्मा, जोगिंदर शर्मा, कुलदीप सैन, मोनू सैन, हरदीप सिंह, नफा सिंह, महिंदर पांचाल, सुरेंद्र पांचाल, बलजीत मलिक सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत विकास परिषद, कर्ण शाखा द्वारा सेवा भारती को प्रदान की गई बाइपैप मशीनें

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भारत विकास परिषद, कर्ण शाखा द्वारा एक विशेष सेवा प्रकल्प के अंतर्गत आपातकालीन स्थिति में रोगियों के लिए अत्यंत उपयोगी मशीनें, सेवा भारती, अर्जुन गेट को भेंट की गईं। इन मशीनों को शाखा के वरिष्ठ सदस्य कपिल अत्रेजा (सदस्य, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग) के विशेष प्रयासों से हरियाणा के सुप्रसिद्ध चिकित्सक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अतुल्य अत्रेजा जी द्वारा भारत विकास परिषद को भेंट की गईं और परिषद द्वारा ये सभी मशीनें सेवा भारती, करनाल को सौंपी गईं ताकि इन्हें जरूरतमंद रोगियों को आपातकालीन स्थिति में उपलब्ध कराया जा सके। शाखा की अध्यक्ष ज्योति चौधरी जी तथा सभी वरिष्ठ सदस्यों ने डॉ. अतुल्य अत्रेजा एवं उनकी धर्मपत्नी चारू बतरा अत्रेजा, उनके पिता अरविंद अत्रेजा एवं माता दीनता अत्रेजा को अंगवस्त्र पहनाकर, पौधा पात्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉ. अरविंद अत्रेजा ने इन बाइपैप मशीनों की आपातकालीन स्थिति में रोगियों के लिए उपयोगिता को सबके साथ साँझा किया। इस अवसर पर शाखा के वरिष्ठ सदस्य शाम बत्रा, प्रणव जावा, संजय बिदानी, रचना चौधरी, कमल गुप्ता, शिव चुघ, डॉ मोहिंदर चौधरी सहित सेवा भारती के वरिष्ठ सदस्य डॉ श्याम वधवा, रोशन लाल, ऋषिपाल हेमदा, भूषण गोयल, राजेन्द्र गुप्ता, महिपाल गौतम, डॉ पूनम पांचाल आदि ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में शाखा की अध्यक्ष ज्योति चौधरी ने सभी अतिथियों, सेवा भारती परिवार एवं अत्रेजा परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्यों में निरंतर सहभागी बनने का आह्वान किया।

योग दिवस कार्यक्रम में लें बढ़-चढकर हिस्सा-उत्तम

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने कहा कि योग न केवल व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से निरोग रखता है बल्कि उसकी कार्य करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। योग दिवस को लेकर जिला स्तर पर तैयारियां जारी हैं। विभिन्न विभागों द्वारा योग प्रोटोकोल का अभ्यास भी कराया जा रहा है। इस प्रोटोकॉल में सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम व ध्यान की क्रियाओं का समावेश किया गया है। हर आयु वर्ग के व्यक्ति इस आसान क्रियाओं को कुछ सावधानियों के साथ आसानी से कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्हीं के प्रयासों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा 21 जून के दिन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, 11 दिसम्बर 2014 को भारत के इस प्रस्ताव को 177 देशों के समर्थन के साथ स्वीकार कर लिया गया और 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस क्रम में 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। करनाल में भी जिला

स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस कार्यक्रम में बढ़-चढकर हिस्सा लें और योग की अलख जगाएं।

उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा है। योग को भारत ने विश्व को दिया है। हमारे ऋषि मुनियों ने योग का प्रचार-प्रसार किया। आज विश्व भर के लोग योग कर रहे हैं और योगासनों का लाभ उठा रहे हैं। योग करने से शारीरिक रूप से तो स्वस्थ होते हैं हीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका बेहतर प्रभाव डालता है। 21 जून के कार्यक्रम को लेकर आयुष विभाग द्वारा तैयारियां शुरू की गई हैं। निरंतर योग अभ्यास किए जा रहे हैं।

योग से न केवल स्वयं का बल्कि पूरे समाज का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि योग कला के साथ-साथ एक विज्ञान भी है। निरंतर योग करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए।

कांगथली में पनीर बनाने वाली फैक्ट्री में छापेमारी

टीम द्वारा 21 क्विंटल 25 किलो पनीर जब्त

खाने के सामान की गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता-एसडीएम

एसबी संवाददाता

गुहला-चीका। एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह की अगुवाई में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कांगथली में सिंगला ट्रेडर्स नाम की पनीर बनाने वाली फैक्ट्री पर छापेमारी की गई। निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा मौके पर मिले पनीर की जांच की गई तथा सैंपल लिया गया। पनीर खाने में सही नहीं मिलने पर टीम ने कार्रवाई करते हुए 21 क्विंटल 25 किलो पनीर जब्त करके उसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने कहा कि नकली पनीर खाना सेहत के लिए बहुत ही नुकसानदायक है, इससे हमारे शरीर पर बुरा असर पड़ता है। हमें सभी को हमेशा सावधानी बरतनी होगी, यदि हम कहीं से पनीर व दूध आदि ले रहे हैं तो उसके मिलावट की पहचान कर लें। यदि सही नहीं है तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लेकर आएं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ पवन चहल ने कहा कि कांगथली में सिंगला ट्रेडर्स नाम की फैक्ट्री में दूध, घी, पनीर आदि खाद्य सामान का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा जब पनीर को खाकर देखा तो वह खाने में सही नहीं पाया गया। उन्होंने मौके पर 21 क्विंटल 25 किलो पनीर को जब्त किया गया तथा मौके पर ही उसे नष्ट किया गया। टीम द्वारा फैक्ट्री से चार सैंपल लिए गए, जिसमें एक सैंपल पनीर का, एक घी का तथा दो सैंपल दूध के लिए गए, जिनको लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजा गया।

सैंपल खाद्य सुरक्षा मानक पर सही नही पाए जाएंगे तो संबंधित फैक्ट्री के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर छापेमारी की जाती है। यदि कोई व्यक्ति खाद्य सामान में मिलावट करता पाया जाता है या फिर सैंपल भेजने पर खाद्य सुरक्षा मानको पर सही नहीं उतरते तो उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। भाजपा के विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत मोहद्दीनपुर मंडल की बैठक फुसगढ़ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सचिन राणा ने की। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। बैठक का संचालन मंडल प्रवक्ता प्रदीप कंबोज ने किया। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई दिशा दी है। मंडल संयोजक धीरज खरकाली और सह-संयोजक राहुल तोमर ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं। इस अवसर पर अमित कंबोज, महामंत्री राजेश लाठर, विक्रम पाल, प्रवक्ता मदन जी, अशोक कंबोज, सुमित कंबोज, शिवम लाठर सहित महिला शक्ति से कमलेश, अंजू, निशा और आयशा उपस्थित रहीं। सभी ने एकमत होकर जनसंपर्क अभियान को गति देने का संकल्प लिया।

इग्नू से अब होम साइंस में पीजी करने का मौका

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी(इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इग्नू ने होम साइंस विषय में पहला पीजी प्रोग्राम लांच किया है। इसका नाम एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट है, यह पाठ्यक्रम दो साल का है, और यह अंग्रेजी माध्यम में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग(ओडी एल) मोड में पढ़ाया जायेगा इसमें कम्युनिटी ऑर्गनाइजेशन, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जेंडर और फील्ड रिसर्च जैसे विषय शामिल हैं। फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट्स को डेवलपमेंट थ्योरी, कम्युनिटी ऑर्गनाइजिंग, मीडिया और डेवलपमेंट और आईसीटी कम्युनिकेशन टूल्स आदि टॉपिक पढ़ाए जाते हैं, उनके पास एक फील्ड प्रैक्टिस प्रोजेक्ट भी होगा और वे लिंग या ग्रामीण विकास में ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। दूसरे साल में ट्रेनिंग एवं डेवलपमेंट, चाइल्ड एंड मदर हेल्थ, सोशल बिहेवियर और रिसर्च मेथोडोलॉजी जैसे विषय शामिल होंगे, कोर्स में एक रिसर्च प्रोजेक्ट भी शामिल है, स्टूडेंट्स को पास होने के लिए न्यूनतम 80 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे. क्रेडिट सिस्टम के अनुसार हर एक क्रेडिट के लिए औसतन 30 घंटे की पढ़ाई जरुरी है । इसमें क्लास वर्क, असाइनमेंट्स, सेल्फ स्टडी, प्रोजेक्ट वर्क और परीक्षा की तैयारी शामिल है। डॉ. धर्म पाल ने बताया की यह पाठ्यक्रम होम साइंस, सोशल साइंस, बिहेवियरल साइंस, कम्युनिटी साइंस और किसी भी अन्य विषय से ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों के लिए है।

राजौंद क्षेत्र में लिंगानुपात में सुधार हेतु सीएमओ डॉ रेनू चावला के निर्देशन में मीटिंग आयोजित

एसएमओ कीर्ति कुमार शर्मा ने स्वास्थ्य कर्मियों की मीटिंग में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रेनू चावला के निर्देशन में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में सभी स्वास्थ्य निरीक्षकों, एल एच वी, एम पी एच डब्ल्यू फीमेल व आशा वर्करों की मीटिंग हुई। जिसमें एस एम ओ डॉक्टर कीर्ति कुमार शर्मा ने सभी को निर्देश दिए कि आप अपने क्षेत्र में सभी गर्भवती महिलाओ के घर हर सप्ताह भ्रमण करें। उनका हाल चाल पूछें। आशा वर्कर हर तीसरे दिन उनके घर की विजिट करें। अगर कोई गर्भवती महिला कहीं बाहर जाकर अपना अल्ट्रासाउंड करवाती है तो इसकी सूचना तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में दें।

इसके साथ-साथ अपने क्षेत्र में दवा विक्रेताओं पर नजर रखे कि कोई दवा विक्रेता गर्भपात की दवा ना बेच रहा हो। इसके अलावा जितनी भी एनसी आपके पास रजिस्टर है। जिनके पहले फीमेल बेबी है उन पर विशेष नजर रखें ताकि लिंगानुपात को सुधारा जा सके। इसके अलावा जिन के पहले से दो या तीन लड़कियां हैं उनके पास हर हफ्ते विजिट करना है, ताकि उनकी प्रेगनेंसी होते ही आपको पता चल सके और उनका 12 सप्ताह से पहले रजिस्ट्रेशन किया जा सके।

इस अवसर पर डॉक्टर संदीप सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक तेलूराम, चंद्रकला एवं सुनीता, एएनएम दर्शन, आशा कर्मी, हस्पताल का सम्बन्धित स्टाफ मौजूद था।

योग, आदर्श दिनचर्या, सात्विक आहार अपनाकर बचा जा सकता है बीमारियों से: जिला कार्यक्रम अधिकारी शशी बाला

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया योग प्रोटोकॉल का अभ्यास

संजना भारती संवाददाता

कैथल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की श्रृंखला में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग कैथल के संयुक्त तत्वाधान में हनुमान वाटिका कैथल में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व हेल्पर के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी बीरभान कौशिक तथा आयुष योग सहायक संदीप तंवर, संजू आर्या, संदीप चहल एवं कनिका द्वारा योग प्रोटोकॉल के अभ्यास में जोड़ो के दर्द को दूर करने हेतु गर्दन, कंधे, कमर, घुटने आदि के लिए सूक्ष्म व्यायाम करवाए गए। इसके साथ ही ताड़ासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन,

त्रिकोणासन, वज्रासन, सेतुबंधासन, मकरासन, भुजंगासन तथा प्राणायाम में अनुलोम विलोम, भ्रामरी, शीतली, कपालभाति व ध्यान का अभ्यास करवाया गया।

बीरभान कौशिक ने बताया कि महिलाओं को सेतुबंधासन, गोमुखासन, तितली आसन, कपालभाति अनुलोम विलोम का अभ्यास नियमित करना चाहिए। इससे शारीरिक क्षमता तो बढ़ती है साथ ही यूटरस की बीमारियों से भी निजात मिलती है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शशी बाला ने बताया कि महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में योग को अवश्य अपनाना चाहिए, क्योंकि आजकल महिलाओं में यूटरस में रसौली तथा ब्रेस्ट में गांठ आदि बीमारियां उत्पन्न होने की समस्याएं ज्यादा होने लगी है। इसलिए योग, आदर्श दिनचर्या, सात्विक आहार विहार से ही इन सभी बीमारियों को उत्पन्न होने से रोका जा सकता है।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि 21 जून योग दिवस की तैयारियों के लिए सभी विभागों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे है, ताकि सभी लोग पहले ही प्रशिक्षित हो जाए और 21 जून के दिन योग आसनों में एकरूपता बन सके। कलायत, राजौंद, पूंडरी, ढांड, सीवन, गुहला सहित 6 खंडों तथा कैथल में जिला स्तरीय कार्यक्रम की पायलट रिहर्सल 20 जून को आयोजित की जाएगी तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा।